भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5776

उत्तर देने की तारीख 30 मार्च, 2026

9 चैत्र, 1948 (शक)

खेल संबंधी विनिर्माण एवं एथलीट विकास पहल

5776. श्री पी. पी. चौधरी:
श्री भर्तृहरि महताब:
श्री दामोदर अग्रवाल:
श्रीमती कमलजीत सहरावतः
श्री मनीष जायसवाल:
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री प्रवीण पटेल
श्री सुनील कुमार:
डॉ. हेमंत विष्णु सवराः
श्री विनोद लखमशी चावड़ा
श्री विभु प्रसाद तराई
श्रीमती स्मिता उदय बाघः
श्री नवचरण माझी
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:
श्रीमती मालविका देवी:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र चार खेल के सामान के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रूपये प्रदान करने की पहल को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है और इस कार्यक्रम के मुख्य घटक और उद्देश्य क्या हैं,

(ख) यदि हां, तो राजस्थान सहित विशेषकर पाली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और स्वदेशी खेल उपकरणों के विनिर्माण के लिए निवेश सहायता, अनुसंधान सहयोग और बुनियादी ढांचे के विकास का ब्यौरा क्या है,

(ग) उक्त पहल के अंतर्गत पदार्थ विज्ञान में समर्पित अनुसंधान किस प्रकार हॉकी स्टिक और अन्य खेल सामग्री जैसे किफायती एवं उच्च गुणवत्ता वाले स्वदेशी खेल उपकरणों के उत्पादन में सहायता कर रहा है,

(घ) वर्ष 2025-26 के दौरान प्रतिस्पर्धी खेल शिक्षा और प्रशिक्षण संसाधनों में लैंगिक तटस्थता को बढ़ावा देने में अस्मिता (एएसएमआईटीए) (ऑगमेंटिंग ऑफ स्टडी मैटेरियल्स इन इंडियन लैंग्वेजेज थ्रू ट्रांसलेशन एंड एकेडमिक राइटिंग) पहल के अंतर्गत की गई विशिष्ट उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है, और

(ङ) टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) ने 2026 मिलानो कॉर्टिना शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले भारतीय एमलीटों के प्रशिक्षण में किस प्रकार सफलतापूर्वक सहायता प्रदान की है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ग): खेल सामग्री के विनिर्माण को बढ़ावा देने का उद्देश्य देश में एक मजबूत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खेल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का विकास करना है। केंद्रीय बजट में इस उद्देश्य के लिए 500 करोड़ रु. आवंटित किए गए हैं। इस स्कीम का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ करना और भारतीय खेल सामग्री की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। इस क्षेत्र के लिए एक व्यापक और प्रभावी रूपरेखा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श के बाद इस स्कीम को अंतिम रूप दिया जाएगा।

(घ) खेलो इंडिया स्कीम के तहत महिलाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के अवसर प्रदान करने के लिए वर्ष 2021 में खेलो इंडिया महिला लीग शुरू की गई थी। इसका नाम बदलकर अस्मिता लीग कर दिया गया, जिसका तात्पर्य "अचिविंग स्पोर्टस माइलस्टोन बाय इंस्पायरिंग वुमेन थ्रू एक्शन" है। इस पहल के तहत विभिन्न खेलो इंडिया महिला लीग का आयोजन किया जा रहा है। अब तक, देश भर में 34 से अधिक खेल विधाओं में 2407 अस्मिता लीग का आयोजन किया गया है, जिसमें 280142 महिला एथलीटों ने भागीदारी की है। इस पहल के माध्यम से देश भर में खेलों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और महिला एथलीटों को सभी आयु वर्गों में प्रतिस्पर्धा करने, सीखने और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं।

(ङ) वर्तमान में, टीओपी स्कीम के अंतर्गत शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों के लिए कोई सहायता प्रदान नहीं की जाती है।

*****